शेयरों के मूल्यों में गिरावट

239. **श्री सोमपाल** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हाल में रुपये के मूल्यों में गिरावट के कारण शेयरों के मूल्यों में गिरावट की प्रवृत्ति देखी गई है;

(ख) यदि हां, तो सरकार की दृष्टि में देश की औद्योगिक और आर्थिक स्थिति पर इसका क्या प्रभाव पड़ सकता है; और

(ग) क्या सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिये कोई कदम उठाये हैं/या उठाने जा रही है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा0 देवी प्रसाद पाल) : (क) स्टाक बाजार में शेयरों की कीमतों में विभिन्न कारकों की अन्तः क्रिया के कारण उतार-चढ़ाव हो सकता है जैसेः समग्र आर्थिक माहौल और नीति के संबंध में निवेशकों की प्रत्याशाएं, कार्पोरेट क्षेत्र का कार्य-निष्पादन, विशाल संस्थागत निवेशकों द्वारा किये गये लेन-देन, स्टाक बाजार में व्याप्त विचार और विदेशों में पूंजी बाजार की प्रवृत्तियां। इसलिए शेयरों की कीमतों में हुई हाल की गिरावट की कोई एक वजह नहीं कही जा सकती।

(ख) और (ग) चूंकि शेयरों की कीमतों में हुई हाल की गिरावट को अस्थायी घटना कहा जा सकता है जो कि मुख्यतया स्टाक बाजार में तकनीकी कारकों का परिणाम थी, इसलिए इसका अर्थव्यवस्था और औद्योगिक उत्पादन पर कोई प्रत्यक्ष प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। सरकार या सेबी शेयर की कीमतों की घटबढ़ को प्रभावित करने के लिए स्टाक बाजार में दखल नहीं देते।

विभिन्न ताप विद्युत संयंत्रों द्वारा राख उत्सर्जन मानदण्डों का उल्लंघन किया जाना

240. **श्री सोमपाल** : क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में विभिन्न ताप विद्युत संयंत्रों द्वारा वातावरण में भारी मात्रा में राख का उत्सर्जन किया जा रहा है;

(ख) क्या यह भी सच है कि अधिकांश ताप विद्युत संयंत्र निर्धारित मानदंडों को लगातार उल्लंघन कर रहे है;

(ग) यदि हां, तो ऐसे ताप विद्युत संयंत्र कौन-कौन से हैं और सरकार ने इनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की है अथवा करने जा रही है;

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है;

(ड) क्या सरकार ने इन ताप विद्युत संयंत्रों को इसकी निश्चित तारीख तक अपनी व्यवस्था को निर्धारित मानदंडों के अनुरूप बनाने हेतु आदेश जारी किए गए है; और

(च) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल) : (क) जी, हां।

(ख) से (च) पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने अपनी दिनांक 12.2.1992 की अधिसूचना के द्वारा निर्धारित किया है कि 16.5.81 के बाद चालू की गई ताप विद्युत उत्पादक यूनिटों को 31.12.92 तक उर्त्सजन के लिए निर्धारित मानदण्डों का अनुपालन करना होगा, जबकि पहले प्रचालन शुरू करने वाली यूनिटों को 31.12.93 तक इन मानदण्डों का अनुपालन करने की अनुमती होगी।

31.8.95 की स्थिति के अनुसार इन मानदण्डों का अनुपालन किए जाने की स्थिति, जैसा कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सूचित किया गया है, इस प्रकार है कुल 97 विद्युत यूनिटों में से दो को बन्द कर दिया गया था, 62 यूनिटों में मानदण्डों का अनुपालन करने के लिए पर्याप्त सुविधा विद्यमान है, 28 यूनिटों को 1981 से पहले चालू कर दिया गया था और 1981–91 के बीच चालू की गई पांच यूनिटों में पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान नहीं है। की गई कार्रवाई/की जा रही कार्रवाई की संयंत्रवार विस्तृत स्थिति अनुपत्र में दी गई है [देखिए परिशिष्ट 175, अनुपत्र सं0 4]

Shortage of Power

241. DR. B.B. DUTTA: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) the shortage of power in general and during peak period at present;

(b) whether resource constraints, increased economic activity and power distribution and transmission losses are main reasons for the worsening power situation; and

(c) if so, the steps taken to increse plant load factor and to reduce T&D losses?